श्री गणेश उत्सव | मिट्टी के गणेश ही सबसे शुभ, अपने हाथों से बनाए मिट्टी की गणेश प्रतिमा

मिट्टी की प्रतिमा में पंच तत्वों का समावेश

मंडला 25 अगस्त नभाप्र. देश भर में 27 अगस्त से पूरे उत्साह और भक्ति भाव से गणेशोत्सव पर्व मनाया जाएगा। 10 दिनों तक घर-घर और पंडालों में गणपति बप्पा मोरिया की गूंज सुनाई देगी। छोटी से लेकर बड़ी आकार की गणेश प्रतिमा स्थापित कराई जाएगी। गणेश उत्सव के लिए वैसे तो बाजार में तरह तरह की खूबसूरत छोटी से लेकर बड़ी गणेश प्रतिमा आसानी से मिल रही है, लेकिन अपने घर में अपने हाथों से मिट्टी के गणेश की इको फ्रेंडली प्रतिमा बनाकर पूजा अर्चना करना सबसे उत्तम माना जाता है।

बताया गया कि गणपति प्रतिमा मिट्टी की हो तो ज्यादा अच्छी मानी जाती है। मिट्टी की प्रतिमा में पंचतत्व जिसमें भूमि, जल, वायु, अग्नि और आकाश विलीन करता है। धार्मिक ग्रंथों और विशेषज्ञों की माने तो मिट्टी से बनी मूर्ति में भगवान का वास होता है और भगवान भी इससे ही प्रसन्न होते है। मिट्टी की प्रतिमा की पूजा करने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। स्वयं द्वारा मिट्टी की बनाई गई प्रतिमा को हम शुभ मुहूर्त में स्वयं बनाकर घर में स्थापित कर सकते है।

देवी पार्वती ने बनाई थी मिट्टी की गणेश प्रतिमा

बताया गया कि माता पार्वती ने सबसे पहले मिट्टी से ही गणेश प्रतिमा बनाई थी। देवी पार्वती ने पुत्र की इच्छा पर मिट्टी का पुतला ही बनाया था, जिसमें भगवान शंकर ने प्राण डाला था। जिसके बाद उस मिट्टी के पुतले से भगवान गणेश के रूप में प्रकट हुए थे। शिव पुराण में इसका विस्तार से वर्णन किया गया है।

ऐसे हुआ था बप्पा का जन्म

हिन्दू धर्म में भगवान गणेश जी को प्रथम पूज्य देवता माना गया है। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश जी का जन्म हुआ है। इनके जन्म से संबंध में कई कथाएं पुराणों में मिलती हैं। शिवमहापुराण की रुद्रसंहिता में वर्णन है कि कुमारिका खंड में माता पार्वती जी ने अपने उबटन से एक पुतला बनाया। इसमें उन्होंने प्राण डालकर उसे जीवित कर दिया। कथा में आगे बताया गया कि माता पार्वती गणेश को द्वार पर पहरा देने का आदेश देकर स्नान करने चली गईं। इसी दौरान भगवान शिव वहां आते हैं, तो गणेश उन्हें अंदर जाने से रोक देते हैं। क्रोधित शिवजी गणेश जी का सिर काट देते हैं।

धर्मशास्त्रों में मिट्टी व गोबर के गणेश जी शुभ व फलदायी बताया गया है। विवाह समारोह में गाय के गोबर के श्रीगणेश की स्थापना की जाती है। गणेशोत्सव में भी मिट्टी के श्रीगणेश की स्थापना की जानी चाहिए। क्योंकि मिट्टी के गणेश आसानी से जल में विसर्जित हो जाते हैं और जलीय जीव जंतुओं का जीवन भी खतरे में नहीं पड़ता है। जबकि पीओपी के श्री गणेश भी जल में कई दिनों तक विसर्जित नहीं होते हैं।

आचार्य संतोष महाराज
ऊं श्री माँ रूकमणी देवी सदाव्रत आश्रम, हिरदेनगर

पौराणिक कथा के अनुसार मिट्टी से बनी मूर्ति में भगवान गणेश जी का वास होता है। मिट्टी के बने हुए गणेश जी से माँ लक्ष्मी भी प्रसन्न होती हैं। इसके साथ ही मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की पूजा करने से कई यज्ञों का फल मिलता है। पूजा करते समय भगवान गणेश जी की मिट्टी से बनी मूर्ति होना सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि मिट्टी में पांच तत्व होते हैं। भूमि, अग्नि, जल,वायु और आकाश यह सब एक मिट्टी में होते हैं।

पंडित नीलू महाराज
वरदान आश्रम, अंजनिया

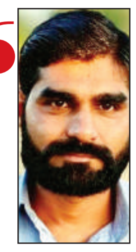

गणेश चतुर्थी का पर्व शुरू होने वाला है। भाद्रपद मास में शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश जी का जन्म हुआ था। भक्तों में एक अलग ही उत्साह दिख रहा है। इस दिन हर भक्त अपने घर में भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करता है। अधिकतर लोग बाजार से प्लास्टर ऑफ पेरिस की बनी मूर्ति ही लाते हैं। लेकिन ऐसी मूर्तियां न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती है बल्कि शास्त्रों में भी इनकी मनाही है।

ललित मिश्रा
सांई भक्त, श्री सिद्धेश्वर धाम, सुरंगदेवरी

हिंदू ग्रंथों और पुराणों में भी मिट्टी से बनी गणेश मूर्ति के लाभ बताए गए हैं। मिट्टी से बनी गणेशजी की मूर्ति पर्यावरण के लिए तो लाभकारी होती ही है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके पूजन से गणेशजी भी जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। आज के सोशल मीडिया के जमाने में मिट्टी के गणेशजी का चलन जरूर बढ़ा है। बहुत से लोगों ने मिट्टी के गणेश जी घर लाना शुरू कर दिया है। वहीं कुछ इसे खुद अपने घर भी बनाते हैं।

स्वामी सच्चिदानंद महाराज
सुरंगदेवरी आश्रम

महिलाओं ने कर ली हरतालिका तीज की तैयारी

मनचाहे वर के लिए कुंवारी कन्याएं भी रखेंगी व्रत

मंडला 25 अगस्त नभाप्र. सनातन धर्म में अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और समृद्धि की कामना के लिए सुहागन महिलाएं हरितालिका तीज का व्रत रखती हैं। महिलाओं ने तीज व्रत के लिए तैयारियां कर ली है। पति की लंबी उम्र और कन्या सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए तीज का व्रत रखती हैं। नए परिधानों से सुसज्जित होकर सोलह सिंगार करके इस व्रत को महिलाएं रखती हैं। हाथों में पूजा की थाली और कलश लेकर विधिवत पूजा अर्चना करके पति की दीर्घायु के लिए कामना करती हैं। पूजा की थाली सजाने की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर नवविवाहिता महिलाएं बहुत उत्साहित हैं। महिलाओं ने अपने-अपने तरीके से तैयारियां पूरी कर ली हैं। तीज पर्व के लिए खरीददारी भी कर ली गई है, वहीं कुछ महिलाएं आज तीज के दिन भी खरीददारी करेंगी। जिसमें महिलाएं साड़ी और साड़ी मैचिंग की ज्वैलरी, पूजा की थाली का डेकोरेशन कर रही है।

जानकारी अनुसार हरितालिका तीज को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। सुहागिन महिलाओं ने अभी से व्रत के लिए नए वस्त्र, आभूषण और पूजा सामग्री आदि की खरीदारी कर ली है। बहू-बेटियों के घर भी तीज की सामग्री भेजी गई है। इस बार आज 26 अगस्त मंगलवार को हरितालिका तीज का व्रत है।

तीज व्रत की तैयारी हम लोगों ने कर ली है। जिसमें पति के लिए हाथों में मेहंदी लगाऊंगी। उस दिन उनकी पसंदीदा साड़ी पहनूंगी और सोलह श्रृंगार करके इस व्रत को पूरा करूंगी। पूजा की थाली को भी सुंदर रूप से सजा रही हूं। अन्य सामानों की रूपरेखा तैयार कर उसके लिए प्लानिंग कर ली हूं।

सुरूचि ठाकुर

पति की लंबी उम्र और खुशहाली के लिए कामना करूंगी। तीज की तैयारी के लिए काफी उत्साहित हूं। सोलह श्रृंगार, चूड़ी, बिंदी, बिछिया, कुमकुम, मेहंदी की तैयारी कर ली है। इसके अलावा आज तीज के दिन के लिए और भी तैयारी कर रही हूं। पारंपरिक परिधानों के साथ इस व्रत को यादगार बनाऊंगी।

संजना राय

मेरे मन में इस व्रत को लेकर बहुत ही खुशी है कि पति की लंबी उम्र के लिए और परिवार में खुशहाली के लिए कामना करूंगी। व्रत में सोलह श्रृंगार एवं पारंपरिक वेशभूषा के साथ तैयारी करके विधिवत पूजन अर्चन करूंगी। हमारी भारतीय संस्कृति में इस व्रत का बहुत महत्व है। इस व्रत की तैयारी कर ली है।

माधुरी कछवाहा

हरितालिका तीज-भद्रा का साया नहीं, दिनभर रहेगा हस्त नक्षत्र शुभ संयोग

मंडला 25 अगस्त नभाप्र. हरितालिका व्रत हिंदू महिलाओं का एक महत्वपूर्ण व्रत होता है, जिसे मातृ शक्तियां अखंड सौभाग्यवती होने और मनोनुकूल पति प्राप्त करने के लिए रखती हैं, यह व्रत निर्जला व्रत होता है जो भाद्र शुक्ल पक्ष तृतीया को रखा जाता है। इस बार तृतीया तिथि सोमवार को 11.28 बजे दिन से प्रारम्भ हुई है जो मंगलवार को

12.29 बजे दिन तक रहेगी और पूरे दिन हस्त नक्षत्र रहेगा, हस्त नक्षत्र युक्त तृतीया बहुत शुभ मानी जाती है अत: उदया तिथि के सिद्धांत से हरितालिका व्रत सार्वभौमिक रुप से मंगलवार तारीख को अमृत योग 1.41 बजे तक रहेगा। वरदान आश्रम के यज्ञाचार्य पं नीलू महाराज ने बताया कि इस वर्ष हरितालिका तीज पर्व पर भद्रा का साया नहीं है। अत: दिन के 12.29 बजे तक भगवान शिव और माता पार्वती की प्राण प्रतिष्ठा कर ले।

एनएच-30 में ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, दो की मौत

मंडला, बिछिया मार्ग में औरई के पास भीषण सड़क हादसा

मंडला 25 अगस्त नभाप्र. मंडला बिछिया नेशनल हाईवे 30 में सोमवार शाम करीब 5 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क हादसा बिछिया थाना क्षेत्र के औरई तालाब हनुमन ढाबा के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद ट्रक चालक अपना वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही बिछिया थाना प्रभारी भीष्म तिवारी तुरंत अपने दल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि

बाइक सवार बिछिया से मंडला की ओर जा रहे थे, इसी दौरान यह सड़क हादसा हो हुआ। मृतकों में से एक की पहचान लखनादौन जिला सिवनी निवासी सुमन सिंह पटेल के रूप में हुई है। वहीं दूसरा मृतक भगवा रंग के कपड़े पहने हुए था और साधु की वेशभूषा में था, जिसकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने लखनादौन थाने के जरिए सुमन सिंह पटेल के परिवार को सूचित कर दिया है।

बताया गया कि सड़क हादसा होते ही स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना एम्बुलेंस को दी। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस के पायलट लेखराम यादव और ईएमटी आनंद मार्को मौके पर पहुंचे। एम्बुलेंस कर्मियों ने दोनों शवों को बिछिया अस्पताल पहुंचाया। बिछिया पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है।

दो महीने से बंद उप-स्वास्थ्य केंद्र, मरीज परेशान

नारायणगंज 25 अगस्त नभाप्र. जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कुंडा और पाडीवारा के उप स्वास्थ्य केंद्रों में दो महीने से अधिक समय से ताला लटका हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। जानकारी अनुसार इन केंद्रों पर पदस्थ नर्सों का तबादला होने के बाद से कोई नया स्टाफ नियुक्त नहीं किया गया है। ग्राम पंचायत ने इस समस्या को लेकर ग्राम सभा में लिखित शिकायत दर्ज कर स्वास्थ्य अधिकारी नारायणगंज को आवेदन भी दिया है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस समय क्षेत्र में सर्दी, जुकाम और वायरल फीवर का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य केंद्र बंद होने से जनता को मजबूरन झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज कराना पड़ रहा है, जो अनाप-शनाप फीस वसूलते हैं। इससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति पर भी बुरा असर पड़ रहा है। बताया गया कि एक तरफ सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ ये उप स्वास्थ्य केंद्र बंद पड़े हैं। ये केंद्र नारायणगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से लगभग 30-35 किलोमीटर दूर हैं और खराब सड़कों के कारण वहां तक पहुंचना भी मुश्किल है। ग्राम पंचायत के सरपंच और ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि उप स्वास्थ्य केंद्र कुंडा में तुरंत नर्सों की व्यवस्था की जाए, जिससे लोगों को हो रही परेशानी दूर हो सके।

पिपरियाघाट में मिनी ट्रक पलटा, चालक सहित छह लोग घायल

निवास 25 अगस्त नभाप्र. निवास से मंडला मार्ग पर स्थित पिपरिया घाट में एक मिनी ट्रक का स्टेयरिंग फेल हो जाने से अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक सहित छह लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निवास सीएचसी में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना निवास पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जांच कर रही है।

जानकारी अनुसार निवास मंडला मार्ग में पिपरिया घाट में सोमवार को मिनी ट्रक का स्टेयरिंग फेल हो जाने से अनियंत्रित होकर पलट गया। मिनी ट्रक का चालक अन्नी तारम ने बताया कि वे जबलपुर से

ग्राम रिपटा धान का छिलका लेने जा रहे थे। पिपरिया घाट की चढ़ाई के दौरान अचानक गाड़ी का स्टेयरिंग फेल हो गया, जिससे वाहन पलट गया। हादसे में घायल चालक अन्नी तारम (40), त्रिलोक (40), श्याम लाल (35), शंकर लाल (50), सोन राम (42) और रवींद्र मार्को (27) वर्ष है। सभी ग्राम भोड़ी के निवासी हैं। घायलों को निवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जहां सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है।

मानिकसरा से हुई 50 गांवों की महासभा की घोषणा, आदिवासियों ने मांगे हक

मंडला में गूंजा वन अधिकार आंदोलन का बिगुल

मंडला 25 अगस्त नभाप्र. मंडला जिले की ग्राम पंचायत मानिकसरा में आयोजित बैठक में वन अधिकार अधिनियम को लेकर एक बड़े आंदोलन की नींव रखी गई। इस बैठक में आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर यह साफ कर दिया कि वे अब अपने वन और सामुदायिक वन अधिकारों के लिए और इंतजार नहीं करेंगे। उन्होंने गाँव-गाँव में जनजागरण कर संगठित होकर

आवाज उठाने का संकल्प लिया है। बैठक की अध्यक्षता ग्राम पंचायत मानिकसरा की सरपंच अंबिका सिंह मरकाम ने की, जिसमें हरि सिंह मरावी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस सभा में कई वरिष्ठ और अनुभवी आदिवासी नेता भी शामिल हुए, जिनमें विनोद वर्मा, शिव कुशराम, मदन वरकड़े, समईलाल मरावी, रवि नरेर्ती, दशरथ मसराम, श्यामलाल उइके, रिटायर्ड शिक्षक हरि सिंह वरकड़े और भारत मरावी प्रमुख थे। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत दावे दाखिल करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इन दावों को भरने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 है। वक्ताओं ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार केवल कागजों पर योजनाएं चलाती है, जबकि जमीनी स्तर पर आदिवासी समाज आज भी अपने अधिकारों से वंचित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब आदिवासी समाज जाग चुका है और अपने हक के लिए संघर्ष करने को तैयार है। इस बैठक में आओ चले पुरखा गली की ओर का नारा बुलंद किया गया, जिसके तहत हर गाँव में बैठकें आयोजित कर लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा एक बड़ा फैसला लेते हुए यह ऐलान किया गया कि जल्द ही मानिकसरा में 50 गाँवों के लोगों की एक विशाल सभा बुलाई जाएगी, जो इस आंदोलन को एक नई दिशा देगी।

अब तक 1364 .5 मिमी वर्षा

मंडला 25 अगस्त नभाप्र. मंडला जिले में एक जून से 25 अगस्त तक की अवधि में औसत रूप से कुल 1364 .5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 25 अगस्त की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 6 .3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन मंडला में 1 मि.मी., निवास में 12 .4, घुघरी में 14 .6 मि.मी. एवं नारायणगंज में 10 .3 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से 25 अगस्त तक तहसील मंडला में 1497 .8 मिमी, नैनपुर में 1334 .6 मिमी, बिछिया में 1278 .4 मिमी, निवास में 1377 .6 मिमी, घुघरी में 1245 मिमी एवं नारायणगंज में 1471 .7 मिमी वर्षा आंकी गई है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिट्टी की प्रतिमा बनाने का दिया प्रशिक्षण

बिछिया में माटी गणेश कार्यशाला का आयोजन

भुआ बिछिया 25 अगस्त नभाप्र. पर्यावरण की रक्षा और पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बिछिया द्वारा माटी गणेश, सिद्ध गणेश अभियान के तहत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल भुआ बिछिया में आयोजित किया गया। जिसमें गांव-गांव में गठित प्रस्फुटन

समिति के सदस्यों, नवांकुर सखियों, सहायकों और सहायिकाओं को मिट्टी से गणेश जी की प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां भारती की वंदना के साथ हुआ। मंच पर नर्मदा समग्र अभियान के संभाग समन्वयक लाला राम चक्रवर्ती, जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी और सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य लक्ष्मी नारायण मिश्रा मौजूद रहे। ब्लॉक समन्वयक कीर्ति कुरील ने कार्यक्रम का संचालन किया। जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी ने इस अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा पर्यावरण की रक्षा और परंपरा का सम्मान यही हमारी सच्ची श्रद्धा है। उन्होंने बताया कि मिट्टी से बने गणपति बप्पा हमें प्रकृति से जोड़ते हैं, जबकि सिद्ध गणेश का आशीर्वाद हमें आत्मबल, स्वदेशी संकल्प और जनसेवा के लिए प्रेरित करता है।

जच्चा-बच्चा की सुरक्षा के लिए प्रसव पूर्व जांच जरूरी

गर्भवती महिलाओं की हुई टॉलरेंस टेस्ट, मनाया मातृत्व दिवस

मंडला 25 अगस्त नभाप्र. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस के तहत गर्भवती महिलाओं का जांच परीक्षण शुरू किया गया। बताया गया कि नारायणगंज सीएचसी में प्रति माह की 09 और 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस के अंतर्गत गर्भवती की प्रसव पूर्व जांच कराई जा रही है। जिससे जच्चा, बच्चा स्वस्थ रहे। मातृत्व दिवस शिविर में गर्भवती महिलाओं का एचआईवी, हिमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, यूरीन प्रोटीन, यूरिन क्लॉक एवं एल्बुमिन की जांच की गई। जानकारी अनुसार आयोजित मातृत्व दिवस शिविर में गर्भवती महिलाओं की प्रसव के पहले ही जांच के दौरान उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान हो जाती है। यदि ऐसी कोई गर्भवती महिला चिन्हित होती है तो ऐसी गर्भवती का प्रसवकाल में विशेष ध्यान रखा जाता है। सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल ने बताया कि गर्भवती महिलाओं की जांच के बाद अगर किसी भी महिलाओं के गर्भाशय में किसी प्रकार की शिकायत रहने पर उसे पहले अच्छे स्वास्थ्य सेवा के लिए बेहतर अस्पताल भेजा जाता है, जिससे प्रसव के समय महिलाओं को कोई परेशानी ना हो। मातृत्व दिवस अभियान के अंतर्गत सभी सुविधाएं सरकार द्वारा निःशुल्क दी जा रही है। नर्सिंग ऑफीसर मोनिका उइके ने बताया कि मातृत्व दिवस में गर्भवती महिलाओं में डायबिटीज की जांच भी प्रमुखता से की जा रही है। यह ओरल ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट यानी ग्लूकोज सहनशीलता परीक्षण है। यह एक लैब टेस्ट है। इस टेस्ट से पता चलता है कि शरीर बड़ी मात्रा में चीनी को कितनी अच्छी तरह से संसाधित कर सकता है। यह टेस्ट अक्सर मधुमेह के निदान के लिए किया जाता है।

तकनीकी खामियों से परेशान पटवारी

मंडला 25 अगस्त नभाप्र. मध्य प्रदेश में राजस्व कार्यों के लिए उपयोग होने वाले नवीन वेबजीआईएस 2.0 पोर्टल की लगातार तकनीकी खामियों से परेशान होकर पटवारियों ने बड़ा कदम उठाया है। मध्य प्रदेश पटवारी संघ ने घोषणा की है कि अगर इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो 1 सितंबर से प्रदेश भर के पटवारी इस पोर्टल पर काम पूरी तरह से बंद कर देंगे। सोमवार को इस आंदोलन की कड़ी में पटवारी संघ ने प्रांतीय आह्वान पर प्रमुख सचिव (राजस्व) के नाम एक ज्ञापन मंडला कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन में संघ ने बताया कि पोर्टल की गड़बड़ियों के कारण राजस्व न्यायालयों के आदेशों का पालन, खसरा आधार ई-केवाईसी सत्यापन और साइबर तहसील के महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा आ रही है। इससे किसान लगातार परेशान हो रहे हैं और सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

जनजागरण यात्रा | विदेशी भगाओ, स्वदेशी अपनाओ, विदेशी कंपनियों के संकेतिक पुतले का दहन

मंडला में गूंजा स्वदेशी का जयघोष, जनजागरण यात्रा में उमड़े लोग

मंडला 25 अगस्त नभाप्र. देश भर में चल रहे स्वदेशी जागरण अभियान के तहत मंडला शहर में भी स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ जनजागरण यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का उद्देश्य विदेशी कंपनियों का बहिष्कार कर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना था। यात्रा की शुरुआत जिला मुख्यालय के दुर्गा मंदिर लालीपुर चौराहा से हुई। यहां हुई नुक्कड़ सभा में विनायक तांबे ने स्वदेशी की आवश्यकता पर विस्तार से विचार रखे। इसके बाद स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत पूर्णकालिक मनोहर लाल पथरोल ने जय जय स्वदेशी के जयघोष के साथ यात्रा का श्रीगणेश किया।

बताया गया कि यह जन जागरण यात्रा लालीपुर से बस स्टैंड होते हुए चिलमन चौक पहुंची। यहां पर कार्यकर्ताओं ने विदेशी कंपनियां भारत छोड़ो का नारा लगाते हुए विदेशी कंपनियों के एक सांकेतिक पुतले का दहन किया, जो इस बात का प्रतीक था कि अब विदेशी उत्पादों का बहिष्कार किया जाएगा। इस आयोजन में विभिन्न संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्र सेविका समिति, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, ग्राहक पंचायत, लघु उद्योग भारती, सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य, विद्या भारती, धर्म जागरण मंच और शहर के आम नागरिक व व्यापारी शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक रितेश ताम्रकार ने यात्रा में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में जिला सह-संयोजक डॉ. रेखा चौरसिया, विनीत परिहार और विचार प्रमुख अनुपम दुबे का विशेष योगदान रहा। इस जन जागरण यात्रा से मंडला में स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और लोग आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए एकजुट हो रहे हैं।